

संक्षिप्त

सुहाग दशमी पर

सामूहिक पूजन आज

मदननंज-किशनगढ़, (निसं.)

मुनिसुखतनाथ दिग्बार जैन संचायत

द्वारा रविवार को सुहाग दशमी पर

मुनिसुखतनाथ जैन मंदिर में सामूहिक

पूजन किया जाएगा। अध्यक्ष विनोद

पाटनी ने बताया कि प्रातः 6:15 बजे

से श्रीमी का पंचायत अभियंक एवं

शान्तिधारा प्रातः 8:30 बजे से

मुनिसुखतनाथ नववृक्ष मंडल की

ओर से सुहाग दशमी पर उपवास

करने वाली महिलाओं की सामूहिक

पूजन विधान व नववृक्ष त्रै

कथा वाचन का आयोजन होगा।

नववृक्ष मंडल द्वारा दोपहर दो बजे

से जैन तीर्थ दर्शन हाजरी, दोपहर तीन

बजे से शुद्ध ठंडा टाके के जल की

व्यवस्था होगी साथ तो भैंसे से वीर

संगीत मंडल द्वारा श्रीमी की संस्कृतम्

महामारी की जाएगी। प्रवास मंत्री

गौरव पाटनी ने बताया कि रविवार को

प्रातः आठ बजे से आयार्य वर्धमान

सागर महाराज के शिष्य किशनगढ़ के

गौरव मूल नियम सम्पूर्ण सागर महाराज के

दीक्षा दिवस पर पूजन किया जाएगा।

झूलेलाल को लगाया

व्यजनों का भोग

मदननंज-किशनगढ़, (निसं.)

सिंधी समाज द्वारा चालिहा महोत्सव के दैरण

भगवान झूलेलाल को 56 वर्ष का

21 वें दिन झूलेलाल मंदिर में ललित

महाराज के सानिध्य में महिलाओं ने

भजन प्रस्तुति कीया महिला संगठन

समिति की तुन मेघानी, कीटी मेघानी,

ईश्वरी देवी अमरवानी, लौवनी, नीलम,

जानवी अमरवानी, कोपल, पूजा, रेखा,

लक्ष्मी, तामा समतानी, दीपा मंगलनी,

मधु मूलचंद्रनी, गीता वरदानी, जिया

गुरानी, पावल, कीटी मेघानी, मिताली,

सौन्दर्या, मधु से सहयोग किया। इस

दौरान सामान्यों से विषय प्रेरणा,

गिरधारी अमरवानी, मीठी रामानी, कृष्ण

विजय गुरुनी, मीठी रामानी, कृष्ण

विश्वानी, अशोक शेखानी, सुरेन्द्र

विश्वानी, योनी गोवानी, पियुषा मेघानी,

नमन अमरवानी आदि भौजूद रहे।

संस्कृत सप्ताह

का आयोजन

व्यावर, (निसं.)। आदर्श विद्या मंदिर

उच्च माध्य विद्यालय व्यावर में

संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ किया

गया। क्षेत्रीय संस्कृत प्रश्न लादुराम

सीरीजी ने संस्कृत भाषा की

प्रसुखानों और विशेषताओं के बारे

में कहा की संस्कृत भाषा पौराणिक

काल से चर्ची आ ती अत्यन्त

प्राचीनतम भाषा हैं संस्कृत में हमारी

सभ्यता और उसके साहित्य बहुत

विश्वाल हैं इस भाषा को देव भाषा भी

कहते हैं। विश्वाल के छात्रों तो

चेतन वर्षां में विश्वाल रात में संस्कृत

सुधारित भाषा में अपने अपने

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते हैं।

अपने अपने विश्वाल के छात्रों को

प्रश्नों को उत्तर देते ह